शुक्रवार

10 अक्टूबर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 246
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

'मौत के बदले मुस्कान - शासन की सौग़ात'

सीएम ने 3 मृतक आश्रितों को दी 50-50 लाख की सहायता राशि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपनल के माध्यम से सेवारत तीन कार्मिकों की दुर्घटना में मृत्यु होने के उपरान्त उनके आश्रितों को 50-50 लाख की सहायता राशि के चेक प्रदान किये।

आज यहां उपनल के माध्यम से सेवारत तीन कार्मिकों की दुर्घटना में मृत्यु होने के उपरान्त उनके आश्रितों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में 50-50 लाख की सहायता राशि के चेक प्रदान किये। उपनल के माध्यम से विद्युत वितरण खण्ड, जसपुर में तैनात बृजेश कुमार की जनवरी 2025, ब्रिडकुल देहरादून में तैनात तसलीम की नवम्बर 2024 और विद्युत वितरण खण्ड हरिद्वार में तैनात संजीव कुमार की फरवरी 2025 में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश पर उत्तराखण्ड के सरकारी, अर्द्धसरकारी और उपनल कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए को कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के तहत अनेक प्रकार की सुविधाएं और बीमा लाभ प्रदान करने के लिए राज्य सरकार और बैंकों के बीच एमओयू किया गया है। राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के अन्तर्गत कार्मिक की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को सहायता राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने उपनल कर्मचारियों के लिए यह सुविधा प्रदान करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक का आभार भी व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कोई भी सहायता राशि मानव की कमी को तो पूर्ण नहीं कर सकती है, लेकिन कठिन समय में उनके परिवारजनों को आर्थिक संबल प्रदान करने में मदद करती है। सरकार का प्रयास है कि कर्मचारियों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण के साथ ही कठिन परिस्थितियों में उनके परिवार को हर संभव सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के तहत राज्य में कर्मचारियों को बीमा और अन्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। कर्मचारियों के हितों में अनेक निर्णय लिए गए हैं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, सचिव दीपेन्द्र चौधरी,अपर सचिव मनमोहन मैनाली, मेजर जनरल शम्मी सबरवाल (से.नि.), एमडी उपनल जे. एन.एस. बिष्ट, पंजाब नेशनल बैंक के जोनल हेड अनुपम, डिप्टी जनरल मैनेजर अभिनंदन, एजीएम अजीत कुमार उपाध्याय मौजूद थे।

सिस्टम सोता रहा, अपराधी घूमता रहा - 17 साल बाद गिरफ्तारी

संवाददाता

देहरादून। 17 सालों से जेल से फरार चल रहे 50 हजार के ईनामी के एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसको न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ द्वारा ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किये जाते रहे हैं। फरार एक ईनामी अपराधी को एसटीएफ टीम ने सूचना मिलने पर हरिसिंह उर्फ हरीश जिसपर 50 हजार रूपये का ईनाम घोषित था को रूडकी से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 को हरिसिंह ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर रूडकी में मोबाइल शॉप में चोरी की थी। जिसके कुछ दिन बाद गंगनहर थाना पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर रूडकी जेल भेज दिया था। कुछ दिनों बाद ही हरिसिंह उर्फ हरीश रूडकी जेल की दीवार कूदकर भाग गया था। तब से अपना नाम व पहचान छिपाकर पंजाब, हरियाणा आदि राज्यों में रह रहा था। एसटीएफ टीम काफी समय से इसको पकडने के लिए मैनुवल सूचना एकत्रित कर रही थी। उक्त एकत्रित सूचना के आधार पर ही टीम द्वारा हरिसिंह को रूडकी से गिरफ्तार किया गया। जिसको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

दून वैली मेल

संपादकीय

भ्रष्टाचार पर क्यों चुप है सरकार?

भ्रष्टाचार जो हमारे देश और समाज की सबसे बड़ी समस्या है उस मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकार में बैठे लोगों द्वारा हमेशा ही चुप्पी क्यों साधी जाती रही है। यह सवाल हर आम आदमी के मन में चुभता रहता है। भ्रष्टाचार शब्द का उपयोग नेताओं द्वारा या तो अपने चुनावी लाभ के लिए किया जाता है या फिर अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई के छापे के जरिए उन्हें चुप कराने के लिए। अलबत्ता भ्रष्टाचार को मिटाने के नाम पर हमेशा एक गंभीर उदासीनता ही बनी रहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब देश की सत्ता संभाली थी तब उन्होंने कहा था कि 'न खाऊंगा न खाने दूंगा' लेकिन उनके शासनकाल के 11 साल बीत जाने के बाद भी देश की सर्वोच्च अदालत को उनकी सरकार से अब यह पूछना पड़ रह है कि उन्होंने भ्रष्टाचार को रोकने और लोकायुक्त और लोकपाल गठन को लेकर क्या किया? अभी कुछ वर्षों पूर्व नैनीताल हाई कोर्ट द्वारा उत्तराखंड की धामी सरकार को नोटिस जारी कर लोकायुक्त का गठन न किए जाने पर जवाब मांगते हुए लोकायुक्त के कार्यालय पर होने वाले खर्च पर रोक लगा दी गई थी। उत्तराखंड में भी बीते 8 सालों से भाजपा की सरकार है लेकिन लोकायुक्त की नियुक्ति के बिना ही लोकायुक्त कार्यालय पर पिछले कई वर्षों तक करोड़ों रुपए खर्च किये गये। यह अत्यंत ही हास्यापद स्थिति है कि भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर सत्ता में बैठे लोगों द्वारा तरह-तरह के नाटक किए जाते हैं और कोई भी सरकार या नेता इस समस्या को लेकर कभी संजीदा नहीं रहे। इससे पूर्व त्रिवेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व वाली सरकार की बात की जाए तो चुनाव के दौरान भाजपा ने सरकार बनने के 100 दिन के भीतर लोकायुक्त गठन का वायदा किया था। त्रिवेंद्र सिंह रावत अपने चार साल के कार्यकाल में भी लोकायुक्त का गठन नहीं कर सके हद तो तब हो गई जब उनके द्वारा विधानसभा में पेश किए गए लोकायुक्त प्रस्ताव पर कोई सवाल पूछता तो उनका जवाब होता कि जब सूबे में भ्रष्टाचार ही नहीं रहा तो लोकायुक्त की क्या जरूरत है। अहो भाग्य इस प्रांत के लोगों के जिनके नेताओं द्वारा सच नजर नहीं आता और अगर आता है तो वह बिल्ली को सामने देखकर अपनी आंखें मूंद लेते हैं और सोचते हैं कि अब बिल्ली भी उन्हें नहीं देख सकती है। इन दिनों भी उत्तराखंड की राजनीति में कई भ्रष्टाचार के मुद्दों ने तहलका मचा रखा है जिसमें भर्ती घोटाले सहित अन्य कई घोटाले हैं। सवाल यह है कि क्या इस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए किसी भी स्तर पर कभी भी किसी भी सरकार द्वारा कोई भी प्रभावी कदम उठाये जा सकेंग?

'प्रशासनिक दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने में सूचना अधिकार अधिनियम- 2005 की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'प्रशासनिक दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने में सूचना अधिकार अधिनियम- 2005 की भूमिका' विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को दिनांक 05 से 12 अक्टूबर के बीच मनाए जा रहे सूचना अधिकार सप्ताह के उपलक्ष्य में किया आयोजित गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ संगोष्ठी के मुख्य अतिथि और विषय विशेषज्ञ प्रो० राकेश कुमार पाण्डेय तथा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० अवधेश नारायण सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात विभाग की छात्रा साजिया बी, सावीन जहाँ तथा निकिता कोरी द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। अतिथियों के स्वागत के लिए समाजशास्त्र विभाग से एम०ए० की छात्रा रश्मि तिवारी, पूजा रस्तोगी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया ।

संगोष्ठी की संयोजक समाजशास्त्र विभाग प्रभारी प्रोफेसर हेमलता सैनी द्वारा संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर के प्राचार्य प्रो० अवधेश नारायण सिंह ने संबंधित विषय पर छात्र छात्राओं को जागरूक रहने के लिए बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर राकेश कुमार पाण्डेय ने सूचना अधिकार अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया । आपने ने सूचना अधिकार की जानकारी, उपयोग एवं अन्य बारीकियों और जनजागरूकता संबंधित जानकारी दी व अपने अनुभव साझा किए। मंच से महाविद्यालय के राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों तनीषा चावला, कैलाश चौधरी व गणेश भट्ट ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के डॉ० राजेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के समापन पर समाजशास्त्र विभाग के प्रो० रवींद्र कुमार सैनी ने उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं का ध न्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो० सर्वजीत सिंह, प्रो० हरिश्चंद्र, प्रो० विकास दुबे, डॉ० संजीव सक्सेना, डॉ० इंदुशेखर ममगई, डॉ० राघवेंद्र मिश्रा, डॉ० मनोज पांडे, डॉ० राजेश कुमार, डॉ० विकार हसन खघन, डॉ० दीपमाला , डॉ० प्रद्युम्न रिछारिया, डॉ० रूमा साह, डॉ० राजेश कुमार, डॉ० रवीश त्रिपाठी, डॉ० शलभ गुप्ता, डॉ० विवेकानंद पाठक, डॉ० चंद्रपाल, डॉ० प्रदीप कुमार, डॉ० कमला बिष्ट, डॉ० हेम चंद्र पांडे, डॉ० प्रमोद जोशी, डॉ० वंदिता कांडपाल और महाविद्यालय छात्र संघ के नवनिर्वाचित सचिव जसवंत सिंह एवं महाविद्यालय के छात्र- छात्रा मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी कैलाश चौधरी, सरिता बिष्ट, अनामिका सिंह, सावीन जहां, निकिता, नेपोलियन ने सराहनीय सहयोग दिया।

चार किलो गांजे के साथ एक दबोचा

हरिद्वार (हसं)। धर्मनगरी में नशा तस्करी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लगभग चार किलो गांजा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली ज्वालापुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की बड़ी खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को लाल पुल नहर पटरी आम के पेड के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह पलट कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। जिसके पास से लगभग चार किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम पंकज पुत्र लब्बाराम निवासी राजीवनगर लाल मन्दिर कालोनी थाना ज्वालापुर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बहू-बेटियों को छेड़ने वाले की होगी यमराज से मुलाकातः सीएम योगी

हमारे संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगर किसी गुंडे-बदमाश ने बहू-बेटियों से छेड़छाड़ की तो उसकी मुलाकात अगले ही चौराहे पर मौत के देवता यमराज से करा दी जायेगी। यह बात आज यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा एक न्यूज ऐजेंसी के साथ वार्ता के दौरान कही गयी।

उन्होने कहा कि प्रदेश में कानून का राज चल रहा है। उत्तर प्रदेश में कानून तोडने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उत्तर प्रदेश में कानून तोडने की हिम्मत करने वालों को उनके सही ''ठिकानों'' पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारो के समय में उत्तर प्रदेश में गुण्डा राज कायम था। प्रदेश की बहन-बेटियां शाम के समय घरों से नहीं निकल पाती थीं। बहन-बेटियों के साथ खुलेआम छेड़छाड़ की जाती थी। वर्तमान समय में यदि कोई गुण्डा अथवा मवाली उत्तर प्रदेश की बहन-बेटी के साथ छेड़छाड़ करता है तो उसकी मुलाकात सीधे यमराज के साथ कराई जाती है। प्रदेश में कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की किसी में भी हिम्मत नहीं है।

उत्तर प्रदेश में विकास की चर्चा करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग भर्ती अभियान चलाकर प्रदेश के 8 लाख युवाओं को नौकरी दी है। उत्तर प्रदेश में मिलने वाली सरकारी नौकरियों में ना तो किसी प्रकार का भ्रष्टाचार होता है और ना ही किसी की भी सिफारिश चलती है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने दो करोड़ शौचालय बनाकर जनता को दिए हैं। इसी प्रकार एक करोड़ 86 लाख नागरिकों को फ्री में बिजली के कनेक्शन दिए हैं। उत्तर प्रदेश की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के कारण उत्तर प्रदेश भारत का ग्रोथ इंजन बन गया है।

एसजीआरआरयू में रही फ्रेशर्स पार्टी की धूम

संवाददाता

देहरादून। श्री गुरू राम राय विश्वविद्यालय में वर्ष 2025 की बॉलीवुड थीम पर आधारित फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन कर नवागंतुक छात्रों का जोरदार स्वागत किया गया।

आज यहां श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ पैरामेडिकल एंड एलाइड हेल्थ साइंसेज, श्री गुरु राम राय यूनिवर्सिटी में वर्ष 2025 की बॉलीवुड थीम पर आधारित फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे परिसर को मिनी बॉलीवुड का रूप दिया गया, जहां बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी (बीपीटी) प्रथम सेमेस्टर और मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी (एमपीटी) प्रथम सेमेस्टर के नवागंतुक छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आकर्षक मंच सज्जा, ऊर्जावान प्रस्तुतियाँ और विद्यार्थियों का जोश इस फ्रेशर्स पार्टी की विशेषता रही। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की वंदना और दीप प्रज्वलन समारोह से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शानदार

रैम्प वॉक, डांस परफॉर्मेंस और प्रतिभा से भरपूर प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। छात्रों ने बॉलीवुड थीम के अनुरूप जोश, ऊर्जा और रचनात्मकता से भरपूर माहौल बना दिया।

पूरे आयोजन के दौरान मंच संचालन की जिम्मेदारी ईशु जैन, श्रद्धा, निशी, ऐश्वर्या, अंकित, फराह और अर्शू ने बखूबी निभाई और पूरे कार्यक्रम में जोश बनाए रखा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रेणियों में छात्रों को आकर्षक खिताबों से सम्मानित किया गया। एमपीटी प्रथम सेमेस्टर से ईशु त्यागी को मिस्टर फ्रेशर, इश्रत को मिसेज फ्रेशर, निशांत को मिस्टर स्पार्कल, प्रियंका को मिस्टर स्पार्कल, अपूर्व को मिस्टर चार्मिंग और अंकिता को मिस्टर चार्मिंग का खिताब प्रदान किया गया। वहीं बीपीटी प्रथम सेमेस्टर से हरकीरत को मिस्टर फ्रेशर, शेरिल को मिसेज फ्रेशर, सौरभ को मिस्टर स्पार्कल, अंकिता को मिसेज स्पार्कल, आर्यन को मिस्टर चार्मिंग तथा ऋतु को मिसेज चार्मिंग घोषित किया गया। इन खिताबों को डीन प्रो. (डॉ.) कीर्ति सिंह, फिजियोथैरेपी विभागाध्यक्ष डॉ. शारदा शर्मा, प्रो. (डॉ.) नीरज कुमार, डॉ. संदीप, डॉ. तबस्सुम आजमी, डॉ. शमा परवीन, डॉ. सुरभि, डॉ. रविंद्र, डॉ. आकांक्षा, डॉ. अभिषेक, डॉ. सुषांत, डॉ. नेहा, मिस दिव्या, मिस निवेदिता, मिस शिल्पा और मिस अनुराधा द्वारा प्रदान किए गए।

त्योहारों पर मेकअप करते समय न करें ये 5 गलतियां, बिगड़ सकता है पूरा लुक

त्योहारों पर हर कोई खास दिखना चाहता है, लेकिन कई बार छोटी-छोटी गलतियों के कारण हमारा लुक बिगड़ जाता है, खासकर जब बात मेकअप की हो तो इन गलतियों का असर तुरंत नजर आता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको हमेशा बचना चाहिए ताकि आपका त्योहारों पर बना लुक बेहतरीन और आकर्षक दिखे। इन गलतियों को न दोहराकर आप अपने त्योहारों को और भी खास बना सकते हैं।

गलत रंग का फाउंडेशन लगाना : फाउंडेशन चेहरे के रंग को समान करने में मदद करता है इसलिए इसका चयन सही होना चाहिए। कई बार महिलाएं अपने चेहरे से अलग रंग का फाउंडेशन लगा लेती हैं, जिससे उनका चेहरा अस्वस्थ नजर आता है। हमेशा अपने त्वचा के रंग के अनुसार फाउंडेशन चुनें और उसे अच्छी तरह से मिलाएं ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक और स्वस्थ दिखे। इसके लिए आप अपने हाथ पर थोड़ा सा फाउंडेशन लगाकर देख सकती हैं कि कौन सा रंग सही लगता है।

ज्यादा कंसीलर का उपयोग करना : कंसीलर आंखों के नीचे के काले घेरे और अन्य निशानों को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अगर आप इसे ज्यादा मात्रा में लगाती हैं तो यह आपके चेहरे को अजीब सा दिखा सकता है। ज्यादा कंसीलर लगाने से आपकी आंखें भारी और अस्वस्थ नजर आती हैं। इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही कंसीलर लगाएं और उसे अच्छी तरह से मिलाएं ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक और सुंदर दिखे।

आंखों का मेकअप ज्यादा न करें : आंखों का मेकअप करते समय संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत ज्यादा आईलाइनर या मस्कारा लगाती हैं तो आपका लुक बहुत भारी और बनावटी लग सकता है। त्योहारों पर एक हल्का और सुंदर आंखों का मेकअप करें जिसमें हल्का आईलाइनर, मस्कारा और थोड़ा-सा आईशैडो लगे। इससे आपकी आंखें खूबसूरत दिखेंगी और आपका चेहरा भी निखरेगा। इसके लिए आप हल्के रंगों का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपके चेहरे को प्राकृतिक और आकर्षक बनाएगा।

लिपस्टिक का चयन सही न होना : लिपस्टिक का रंग आपके पूरे लुक को प्रभावित करता है, इसलिए इसका चयन सोच-समझकर करें। त्योहारों पर गहरी लाल या गुलाबी लिपस्टिक बहुत अच्छी लगती है, लेकिन ध्यान रखें कि लिपस्टिक आपके चेहरे के रंग से मेल खाती हो। अगर आपकी त्वचा गोरी है तो गहरे रंग चुनें और अगर आपकी त्वचा गहरी है तो हल्के रंग जैसे हल्का गुलाबी या न्यूड चुनें। इसके अलावा लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को साफ करें और लिपबाम लगाएं।

मेकअप सेट करने के लिए पाउडर का उपयोग करना : मेकअप सेट करने के लिए पाउडर का उपयोग करना जरूरी है, लेकिन ज्यादा पाउडर लगाने से आपका चेहरा बेजान लग सकता है। इसलिए सिर्फ उन हिस्सों पर हल्का-सा पाउडर लगाएं जहां ज्यादा तेल निकलता हो जैसे कि माथे, नाक और ठोड़ी पर। इन सुझावों को ध्यान में रखकर आप अपने त्योहारों को खास बना सकती हैं और हर मौके पर बेहतरीन दिख सकती हैं। सही मेकअप करने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगी।

पोनीटेल को स्टाइलिश बनाने के लिए अपनाएं ये तरीके

पोनीटेल एक सुंदर और सरल हेयरस्टाइल है, जो हर उम्र की महिलाओं पर अच्छी लगती है। इसे और भी आकर्षक बनाने के लिए आप कुछ छोटे-छोटे बदलाव कर सकती हैं। इन बदलावों से आपकी पोनीटेल न केवल सुंदर दिखेगी बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना देगी। आइए कुछ ऐसे आसान तरीके जानते हैं, जिनसे आप अपनी पोनीटेल को और भी स्टाइलिश बना सकती हैं।

ग्लिटर हेयर क्लिप्स का करें इस्तेमाल : ग्लिटर हेयर क्लिप्स आपके पोनीटेल को एक खास लुक दे सकते हैं। आप इनमें मोती, सितारे या फिर किसी भी तरह की सजावट वाली क्लिप्स चुन सकती हैं। ये न केवल आपकी पोनीटेल को सजाएंगी बल्कि उसे और भी आकर्षक बनाएंगी। इसके अलावा आप अलग-अलग रंगों और डिजाइन की क्लिप्स का भी चयन कर सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को और भी खास बना देंगे।

स्कार्फ से बांधे पोनीटेल : स्कार्फ का इस्तेमाल करके आप अपनी पोनीटेल को एक नया अंदाज दे सकती हैं। आप स्कार्फ को अपने सिर के चारों ओर बांधकर इसे बांध सकती हैं या फिर इसे पोनीटेल के नीचे लपेट सकती हैं। यह न केवल आपके बालों को सुरक्षित रखेगा बल्कि उन्हें एक स्टाइलिश लुक भी देगा। आप अलग-अलग रंग और डिजाइन वाले स्कार्फ का चयन करके अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं।

हेडबैंड से बनाए खास लुक : हेडबैंड का इस्तेमाल करके भी आप अपनी पोनीटेल को खास बना सकती हैं। आप पतले या चौड़े हेडबैंड चुन सकती हैं, जो आपके चेहरे पर जचेंगे। हेडबैंड में फूल, कढ़ाई या फिर चमकदार स्टोन का इस्तेमाल करके इसे और भी आकर्षक बनाया जा सकता है। यह न केवल आपके बालों को संभालेगा बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाएगा। अलग-अलग रंगों और डिजाइन वाले हेडबैंड का चयन करके आप अपने स्टाइल को और भी निखार सकती हैं।

बो क्लिप से मिलेगा नया लुक : बो क्लिप का इस्तेमाल करके आप अपनी पोनीटेल को नया अंदाज दे सकती हैं। बो क्लिप्स में रिबन या फिर किसी भी तरह की सजावट हो सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को खास बनाएंगी। इसे आप पोनीटेल के ऊपर या नीचे लगा सकती हैं, जिससे आपके बाल और भी सुंदर दिखेंगे। इस तरह की बो क्लिप्स न केवल आपके बालों को सजाएंगी बल्कि उन्हें एक नया अंदाज भी देंगी।

सरकारी नौकरियों का भ्रम

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

हाल ही में उत्तराखंड में युवाओं का उपचुनाव परीक्षा पेपर लीक के विरोध में हुआ आंदोलन एक बार फिर से सरकारी नौकरियों के प्रति युवाओं के मोह को उजागर करता है। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) द्वारा हुई इस गड़बड़ी को सरकार ने पहले नजरअंदाज किया, लेकिन जब जन आक्रोश बढ़ा और युवाओं का गुस्सा सड़कों पर उतर आया, तो सरकार को आखिरकार झुकना पड़ा और मामले की सीबीआई जांच की घोषणा करनी पड़ी।

यह घटना सिर्फ एक राज्य की नहीं है- बल्कि यह उस व्यापक मानसिकता का प्रतीक है, जिसमें सरकारी नौकरी को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जाता है, चाहे वह चपरासी की हो या क्लर्क की।

देश में कुल सरकारी नौकरियों की संख्या करीब 1.4 करोड़ है, यानी हर 100 में से केवल 2 लोगों को ही सरकारी नौकरी मिल सकती है। इसका अर्थ है कि मात्र 1.4% कामकाजी आयु वर्ग के लोग ही सरकार में नौकरी पा सकते हैं। लेकिन फिर भी सरकारी नौकरी की होड़ खत्म नहीं होती।

इसका कारण है- नौकरी की स्थिरता और सुरक्षा की भावना, जो सरकारी क्षेत्र से जुड़ी होती है। वहीं दूसरी ओर, निजी क्षेत्र में अस्थिरता और प्रतिस्पर्धा का डर है। लेकिन विडंबना देखिए- जहाँ लोग सरकारी नौकरी को प्राथमिकता देते हैं, वहीं अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाते हैं और इलाज के लिए निजी अस्पतालों में भागते हैं। सरकारी व्यवस्था को कोसते हैं, पर उसी का हिस्सा बनने की लालसा रखते हैं।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और राज्य लोक सेवा आयोग जैसी संस्थाएं, युवाओं के लिए रोजगार के मंदिर बन गई हैं। उन्हें लगता है कि ये संस्थाएं उन्हें नौकरी दिलाने के लिए बनी हैं। यह मानसिकता उस माई-बाप सरकार सोच का हिस्सा है, जहाँ सरकार से जीवन के हर पहलू की जिम्मेदारी की उम्मीद की जाती है। कोचिंग संस्थान और शिक्षा प्रणाली भी इसी सोच को पोषित करती हैं।

यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा को ही लें- हर साल करीब 12 से 15 लाख अभ्यर्थी प्रारंभिक परीक्षा में बैठते हैं। इनमें से केवल 10 से 12 हजार मुख्य परीक्षा के लिए चयनित होते हैं, करीब 3 हजार को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है, और अंत में सिर्फ 900 से 1000 को सेवा में नियुक्त किया जाता है। आईएएस जैसी प्रतिष्ठित सेवा में तो सिर्फ 100 पद ही होते हैं। यानी 15 लाख में से 0.006% को ही यह सफलता मिलती है। फिर भी लाखों युवा वर्षों तक इसी सपना के पीछे भागते रहते हैं।

हाल ही में राजस्थान में ग्रुप डी की 53,747 पदों की भर्ती के लिए 21 लाख आवेदन आए। ये पद केवल 10वीं पास के लिए थे, लेकिन अधिकांश आवेदक इससे कहीं अधिक योग्य थे। यह सरकारी नौकरी की लालसा ही है, जो युवाओं को किसी भी कीमत पर 'सरकारी बाबू' बनने को प्रेरित करती है।

सरकार चाहे तो यूपीएससी जैसे संस्थानों के उम्मीदवारों से एसएससी या राज्य स्तरीय नौकरियों के लिए चयन कर सकती है, लेकिन अलग-अलग परीक्षाएं आयोजित कर लाखों युवाओं को वर्षों तक प्रतीक्षा कक्ष में रखा जाता है।

जब भारत निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब यह विचार करना आवश्यक है- अगर हमारे होनहार युवा सिर्फ सरकारी नौकरी के पीछे भागते रहेंगे, तो निजी क्षेत्र और कॉरपोरेट दुनिया का नेतृत्व कौन करेगा? क्या हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बन पाएंगे?

क्या सरकार अब भी मुफ्तखोरी के पंडाल लगाने की योजना बना रही है या फिर देश के युवाओं को कौशल विकास, रोजगार सृजन, और स्वतंत्र करियर निर्माण की दिशा में ठोस मार्गदर्शन देगी?

हकीकत यह है कि सरकारी नौकरी का सपना अब एक भ्रम बन चुका है- जिससे जितना जल्दी बाहर निकला जाए, उतना बेहतर।

(लेखक समाजशास्त्री हैं और चार दशकों से विकास क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।)

पीजी कॉलेज साहिया में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

देहरादून। सरदार महिपाल जनजातिय पीजी कालेज में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आज यहां सरदार महिपाल जनजातीय पी. जी. कॉलेज साहिया में अतिरिक्त शैक्षणिक क्रियाकलाप के अंतर्गत करवा चौथ के उपलक्ष्य पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया साथ ही साथ इस मेहंदी प्रतियोगिता में क्षेत्र की विवाहित महिलाएं भी उपस्थित रहीं व सभी ने करवा चौथ के उपलक्ष्य पर मेहंदी लगवाई। निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में, आशा सिंह, प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा की गई। मेहंदी प्रतियोगिता में ऋषिता ने प्रथम स्थान याशिका ने द्वितीय स्थान व प्रमिला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सुश्री आशा सिंह ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं की सराहना की तथा विजेता छात्राओं को बधाई दी,और कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर याशिका, नन्दिनी, सरिका प्रीती, प्राची,काजल, निशा, अंकिता, पंकज, सचिन, प्रीति, आंचल, अल्पना आदि छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को साइबर व महिला अपराधों के प्रति किया जागरुक

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने स्कूली छात्र-छात्राओं को साइबर व महिला अपराधों के प्रति जागरूक किया।

आज यहां पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरुकता अभियान के क्रम में कोतवाली मनेरी पुलिस टीम द्वारा हरि सिंह रावत राजकीय इंटर कॉलेज गंगोरी में जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र/छात्राओं को साइबर, बाल/महिला सम्बन्धी अपराध व यातायात नियमों की जानकारी प्रदान कर जागरुक किया गया।

कार्यक्रम में उपनिरीक्षक हिमानी द्वारा छात्र/छात्राओं को वर्तमान में बढ रहे साइबर अपराधों के प्रति सचेत करते हुये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रयोग करते समय सावधानी बरतने, अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने, फोन पर प्राप्त ओटीपी को किसी के साथ शेयर न करने तथा अनजान ई-मेल / मैसेज सावधानी बरतने तथा अज्ञात लिंक को क्लिक न करने आदि के सम्बन्ध में भलि-भांति जागरुक करते हुये साइबर हेल्पलाईन नम्बर 1930 की जानकारी दी गयी। छात्राओं को बाल तथा महिला अपराधों के प्रति सचेत करते हुये डायल 112 तथ उत्तराखण्ड पुलिस एप्प की उपयोगिता बताई गयी।

साहित्य और कला उत्सवः दून में होगा दो दिवसीय भव्य आयोजन

संवाददाता

देहरादून। द लिटरेरी टेबल द्वारा साहित्य और कला उत्सव का दो दिवसीय भव्य आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां द लिटरेरी टेबल (टी.एल.टी.), जो कि आरोग्य वेलबीइंग ट्रस्ट की एक पहल और लेखक-पाठक मंच है, देहरादून में होने जा रहे अपने "साहित्य और कला उत्सव" की घोषणा करते हुए अत्यंत हर्षित है। यह दो दिवसीय आयोजन 11 और 12 अक्टूबर 2025 को फेयरफील्ड बाय मैरियट, देहरादून में आयोजित किया जाएगा। इस उत्सव का उद्देश्य देहरादून के स्थानीय लेखकों और रचनाकारों को प्रोत्साहन देना और साहित्य, संस्कृति एवं कला के समृद्ध संवाद को मंच प्रदान करना है।

ओएएसएस स्कूल इस आयोजन का साहित्यिक सहयोगी (लिटरेरी पार्टनर) है, वहीं कई संस्थान और स्थानीय उद्यमी इस आयोजन में सहभागिता निभा रहे हैं। इस पूरे उत्सव का संचालन और निर्देशन डॉ. अलोका दासगुप्ता नियोगी के नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 11 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे उद्घाटन समारोह के साथ होगा, जिसके बाद चार आकर्षक सत्र आयोजित किए जाएंगे। रविवार, 12 अक्टूबर को कार्यक्रम प्रातः 10 बजे आरंभ होगा, जिसमें नौ प्रेरणादायक सत्र शामिल रहेंगे। यह दो दिन साहित्यिक संवाद, विमर्श और प्रेरणा से परिपूर्ण रहेंगे, जहां देश के प्रतिष्ठित लेखक, चिंतक और कलाकार अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएंगे।

इस अवसर पर देश के कई नामचीन साहित्यकार और विद्वान उपस्थित रहेंगे, जिनमें मेजर जनरल जी.डी. बख्शी, रोबिन्दर सचदेव, पूर्व राजदूत दीपक वोहरा, मधुलिका लिडल, रुद्रनील सेनगुप्ता, अल्का पांडे, अभिनेत्री एवं पूर्व सांसद मून मून सेन, प्रसिद्ध लेखिका और 'कहानी' फिल्म की पटकथा लेखिका अद्वैता काला तथा डॉ. हरिका राजेश कुमार शामिल हैं। उत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में डॉ. अलोका दासगुप्ता नियोगी और डॉ. रूबी गुप्ता की पहली पुस्तक का विमोचन किया जाएगा, जबकि रूपा सोनी अपनी नई पुस्तक का प्रमोशन करेंगी। इसके अतिरिक्त मानस लाल की आगामी पुस्तक का कवर अनावरण और द लिटरेरी टेबल की द्वितीय संस्करण स्मारिका का विमोचन भी इस अवसर पर किया जाएगा।

साहित्यिक चर्चाओं और सत्रों का संचालन देश के जाने-माने विद्वानों और रचनाकारों द्वारा किया जाएगा, जिनमें डीजीपी आलोक लाल, डॉ. रूबी गुप्ता, मानस राजीव सचर, मोना वर्मा और रूपा सोनी जैसी प्रतिष्ठित हस्तियाँ शामिल हैं। पूरे कार्यक्रम का संचालन (एमसी) मानिक कौर, मनु आहूजा और शश्वती तलुकदार द्वारा किया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राकेश ओबेरॉय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हिमालया वेलनेस के डॉ. फारूक उपस्थित रहेंगे। उत्सव में भाग लेने के लिए पास आयोजन स्थल फेयरफील्ड बाय मैरियट, देहरादून पर कार्यक्रम के दिन प्राप्त किए जा सकते हैं, साथ ही अग्रिम रूप से बुकवर्ल्ड और होटल मार्बेला में भी उपलब्ध रहेंगे।

यह दो दिवसीय साहित्यिक और कलात्मक उत्सव न केवल देहरादून की सांस्कृतिक पहचान को उजागर करेगा, बल्कि यह शहर के रचनात्मक समुदाय को राष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान दिलाने का माध्यम बनेगा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख हस्तियों में मेजर जनरल जी.डी. बख्शी, डॉ. अद्वैता काला, दीपक वोहरा, मून मून सेन, डॉ. अलोका दासगुप्ता नियोगी, रोबिन्दर सचदेव, डॉ. रूबी गुप्ता, डॉ. हरिका राजेश कुमार, मधुलिका लिडल, रूपा सोनी और मानस लाल शामिल हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पुलिस ने साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, ढालवाला में एक व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

आज यहां जनहितकारी कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल आयुष अग्रवाल के दिशा-निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। थाना मुनिकीरेती पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जनजागरूकता को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, ढालवाला में एक व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 400 छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान थाना मुनिकीरेती पुलिस टीम ने उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्टाफ को आधुनिक साइबर अपराधों जैसे डिजिटल अरेस्ट, फर्जी वीडियो कॉलिंग, फिशिंग, बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया ठगी आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। लोगों को बताया गया कि साइबर अपराधी किस प्रकार डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग कर भोले-भाले नागरिकों को ठगी का शिकार बनाते हैं। जागरूकता सत्र के दौरान वास्तविक घटनाओं के वीडियो क्लिपिंग दिखाकर यह समझाया गया कि साइबर अपराधों से बचने के लिए सतर्क रहना कितना आवश्यक है। पुलिस टीम ने यह भी बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी की घटना घटित होती है, तो वह राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल संपर्क कर सकता है, जिससे समय रहते नुकसान से बचा जा सकता है। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने छात्रों से यह भी आग्रह किया कि वे अपने अभिभावकों, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। थाना मुनिकीरेती पुलिस का यह प्रयास स्थानीय स्तर पर साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हो रहा है।

12 अक्टूबर को होगा दीपावली महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंघल ने बताया कि 12 अक्टूबर को एक भव्य दीपावली महोत्सव पर सांकृतिक कार्यक्रम,डांडिया उत्सव एवं दीपावली मेले का आयोजन किया जायेगा।

आज यहां परेड ग्राउड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंघल ने बताया की अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, उत्तराखंड उत्तराखंड मे सामाजिक एवं संस्कृति कार्यक्रम समय समय पर करती रहती है उसी के निमित्त 12 अक्टूबर 2025 को चौधरी फार्म हाउस वेडिंग पॉइंट, जीएमएस रोड, देहरादून मे एक भव्य दीपावली महोत्सव पर सांकृतिक कार्यक्रम,डांडिया उत्सव एवं दीपावली मेला का आयोजन करने जा रही है जिसमे दिल्ली से मशहूर कलाकारों द्वारा मनमोहक संस्कृति प्रस्तुतिया दी जाएगी साथ ही बच्चो के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता, दीपावली महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम, महालक्ष्मी आरती, डाडिया नृत्य रहेगा।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल के साथ और भी गणमान्य अतिथि रहने वाले है। इस अवसर पर रमेश गोयल, रमेश अग्रवाल, अखिलेश अग्रवाल, सचिन गुप्ता पूर्व पार्षद, लच्छू गुप्ता, उपेंद्र गुप्ता, महेश गुप्ता, लक्ष्मी गुप्ता, विशाल गुप्ता, नीरज, धन प्रकाश, हर्ष अग्रवाल, रितु गोयल, नीता गर्ग, मधु जैन, संजय अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, मानोज सिंगल आदि उपस्तिथ रहे।

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

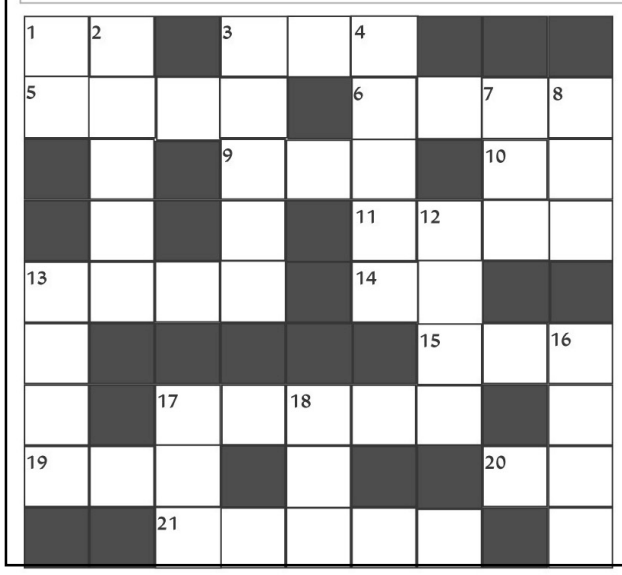

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

नानी की द पैराडाइज में हुई मोहनबाबू की एंट्री, विलेन शिकंजा मालिक भूमिका में दिखेंगे

साउथ स्टार नानी अपनी आगामी फिल्म द पैराडाइज को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। फिल्म की कास्ट में भी लगातार नए-नए सितारे शामिल हो रहे हैं। अब नानी की द पैराडाइज में साउथ स्टार मोहन बाबू की एंट्री हुई है। साथ ही उनके किरदार का भी खुलासा हुआ है। मेकर्स ने मोहनबाबू के फिल्म में शामिल होने की जानकारी दी है। इसके लिए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर मोहनबाबू के किरदार की पहली झलक साझा की है। साथ ही उनके किरदार के नाम का भी खुलासा किया है। मेकर्स की ओर से जो पोस्टर सामने आया है, उसमें मोहनबाबू एक बड़ी सी कुर्सी पर बैठे हैं। सामने रखी तलवार पर वो हाथ टिकाए हुए हैं और उनके हाथ खून से भी रंगे हैं। आंखों पर ब्लैक चश्मा और हाथ में घड़ी पहने ग्रे बालों में मोहनबाबू काफी खतरनाक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने उनके किरदार के नाम का भी खुलासा कर दिया है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, नाम है शिकंजा मालिक। सिनेमा का काला भगवान फिर से जाग उठा। दिग्गज मोहनबाबू एक बार फिर दमदार विलेन की भूमिका में द पैराडाइज में नजर आने वाले हैं। इससे साफ है कि मोहनबाबू फिल्म में शिकंजा मालिक के किरदार में नजर आएंगे। मोहनबाबू के पोस्टर को शेयर करते हुए नानी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, महान नायक होते हैं और महान खलनायक भी। वो यह भी हैं, वह भी हैं और बहुत कुछ हैं। वह आपको एक बार फिर याद दिलाने के लिए यहां है कि वह क्यों महान हैं। इसके साथ नानी मोहनबाबू को अपनी पोस्ट में मेंशन भी किया है। द पैराडाइज एक पैन इंडिया फिल्म है। इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, काड़, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी के साथ-साथ स्पैनिश भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म अगले साल 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फरहान अख्तर की 120 बहादुर का दूसरा टीजर रिलीज

अभिनेता फरहान अख्तर अपनी आगामी फिल्म 120 बहादुर को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने फिल्म का पोस्टर रिलीज किया। इतना ही नहीं, फिल्म का दूसरा टीजर भी जारी किया है। आज लता मंगेशकर की बर्थ एनिवर्सरी भी है। फिल्म के दूसरे टीजर के बैकग्राउंड में स्वर कोकिला के लोकप्रिय देशभक्ति गीत ऐ मेरे वतन के लोगों को सुना जा सकता है। फरहान ने लता मंगेशकर की बर्थ एनिवर्सरी पर उन्हें याद किया है और इस अनोखे अंदाज में श्रद्धांजलि दी है। फिल्म 120 बहादुर का दूसरा टीजर आज रविवार को एक्सेल मूवी एंटरटेनमेंट के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, पराक्रम। देशभक्ति। बलिदान। रेजांग ला के वीरों की वीरता और बलिदान का की याद। 1962। 120 बहादुर। फिल्म का टीजर शानदार और रोंगटे खड़े कर देने वाला है। लता मंगेशकर का देशभक्ति से ओत-प्रोत यह गाना 1962 के भारत-चीन युद्ध में सैनिकों के बलिदान की याद दिलाता है। फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर भी इसी जंग में रेजांगला युद्ध में शहीद हुए जवानों की कहानी पर आधारित है। लता मंगेशकर की जयंती पर फिल्म के मेकर्स ने उनके लोकप्रिय गाने के साथ टीजर रिलीज किया है। फिल्म 120 बहादुर 21 नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशन की कमान रजनीश घई ने संभाली है। फिल्म को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग लद्दाख में हुई है। फिल्म के टीजर ने नेटिजन्स प्रतिक्रिया देते हुए तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, फरहान को इसलिए सबसे प्रतिभाशाली एक्टर कहा जाता है। एक यूजर ने लिखा, टीजर देखकर रोंगटे खड़े हो गए। एक यूजर ने लिखा, कमाल की सिनेमैटोग्राफी है।

राम पोथिनेनी की फिल्म आंध्र किंग तालुका की रिलीज डेट से उठा पर्दा

राम पोथिनेनी अभिनीत और महेश बाबू पी द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म आंध्र किंग तालुका 28 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, यह फिल्म अपने आकर्षक शीर्षक और ब्लाकबस्टर पहले एकल, नुव्वुंते चले के साथ पहले ही ज़ोरदार चर्चा बटोर चुकी है। विवेक और मर्विन द्वारा रचित और अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा गाया गया यह गीत वायरल हो गया है। इस फिल्म में राम पोथिनेनी, काड़ सुपरस्टार उपेंद्र, भाग्यश्री बोरसे, राव रमेश, मुरली शर्मा, सत्या, राहुल रामकृष्ण और वीटीवी गणेश जैसे कलाकारों की टोली शामिल है। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर के रूप में सिद्धार्थ नूनी, संपादक के रूप में श्रीकर प्रसाद और प्रोडक्शन डिज़ाइनर के रूप में अविनाश कोल्ला जैसे अनुभवी पेशेवर शामिल हैं। प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, आंध्र किंग तालुका एक जीवंत मनोरंजन करने वाली फिल्म होने का वादा करती है। रिलीज़ डेट के पोस्टर में राम पोथिनेनी एक स्टाइलिश और जोशीले अवतार में नज़र आ रहे हैं, जिसमें उनका आकर्षण और आत्मविश्वास साफ़ झलक रहा है। 28 नवंबर फिल्म की रिलीज़ के लिए एकदम सही तारीख है, और निर्माता इस फिल्म को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए प्रचार अभियान तेज़ करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी आकर्षक कहानी, यादगार किरदारों और मनमोहक संगीत के साथ, आंध्र किंग तालुका बाक्स आफिस पर हिट होने की उम्मीद है। आंध्र किंग तालुका को गुलशन कुमार, भूषण कुमार और टी-सीरीज़ फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जबकि नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर मैथरी मूवी मेकर्स के तहत इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

श्रद्धा कपूर करियर में पहली बार निभाएंगी चुनौतीपूर्ण किरदार!

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर पिछली बर फिल्म स्त्री 2 में नजर आई थीं और उनकी इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाए थे। अब श्रद्धा बड़ी सूझ-बूझ से आगे बढ़ रही हैं और बड़े पर्दे पर फिर धमाल मचाने वाली हैं। दरअसल, श्रद्धा पर पैसे लगाने वाले हैं छावा बनाने वाले निर्माता दिनेश विजान, जिनकी फिल्म स्त्री 2 और स्त्री में पहले ही श्रद्धा अपन मौजूदगी से दिल जीत चुकी हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा इस फिल्म में महाराष्ट्र की एक मशहूर लावणी नृत्यांगना का किरदार निभाने वाली हैं। खास बात ये है कि इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ही कर रहे हैं, जिन्होंने छावा के निर्देशन की कमान संभाली थी और उनकी इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर इतिहास रच दिया था। श्रद्धा महाराष्ट्र के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण किरदारों में से एक को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार और उत्साहित हैं।

चर्चा है कि ये फिल्म एक मशहूर मराठी उपन्यास पर आधारित है। श्रद्धा ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि ये उनकी अब तक की सबसे चुनोतीपूर्ण भूमिका होगी, जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है। खुद श्रद्धा भी इसके लिए कमर कस चुकी हैं। छावाके बाद ये लक्ष्मण की दूसरी फिल्म है, जो मराठा संस्कृति का बड़े स्तर पर जश्न मनाती है।

इस फिल्म की शूटिंग नवबंर, 2025 में शुरू होगी और साल 2026 के अंत तक यह सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म में न सिर्फ बालीवुड, बल्कि मराठी सिनेमा के भी कई नामचीन चेहरे देखने को मिलेंगे। श्रद्धा फिल्म में एक नृत्यांगना की भूमिका के साथ इंसाफ करने के लिए कई डांस वर्कशाप में शामिल होने वाली हैं। श्रद्धा की ये भले ही लक्ष्मण के साथ पहली फिल्म हो, लेकिन दिनेश विजान के साथ उनकी पहले से ही काफी अच्छी दोस्ती है।

श्रद्धा तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे की अगली फिल्म में नजर आएंगी, जिसकी निर्माता एकता कपूर हैं। ये एक अनोखी फिल्म है, जिसकी कहानी से श्रद्धा बेहद प्रभावित हैं। उधर निर्देशक मोहित सूरी से भी एक लव स्टोरी वाली फिल्म को लेकर श्रद्धा की बातचीत जारी है। खास बात ये है कि इसमें उनकी जोड़ी एक बार फिर आदित्य राय कपूर के साथ बन सकती है। इसके अलावा स्त्री 3 और नागिन जैसी फिल्में भी श्रद्धा के पास हैं।

पारंपरिक साड़ी में राशि खन्ना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की तस्वीरें

साउथ सिनेमा की स्टार और बालीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री राशि खन्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह पारंपरिक साड़ी में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में उन्होंने सादगी और भारतीय परिधान की खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा है। राशि ने खूबसूरत साड़ी पहनी है, जिसका चौड़ा गोल्डन बार्डर उनके लुक को और निखार रहा है।

इस साड़ी के साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का ब्लाउज चुना, जिस पर गोल्डन लाइन और बाजुओं पर बारीक कढ़ाई की गई है। उनके गहनों की बात करें तो उन्होंने गले में नाजुक नेकलेस, कानों में चमकदार झुमके और हाथों में गोल्डन कंगन पहने हैं, जो उनके लुक को और भी शाही बना रहे हैं। मिनिमल मेकअप के साथ राशि ने सादगी भरा जूड़ा बनाया, जिसमें साइड में सफेद फूलों की गजरा उनकी सुंदरता को चार चांद लगा रही है।

राशि ने इन तस्वीरों के साथ एक खूबसूरत कैप्शन लिखा, साड़ी की नजाकत, दिल की मुस्कान...कहना ही क्या।

तस्वीरों में राशि अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह दोनों हाथ पकड़कर कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह दीवार के सहारे एक हाथ से दूसरा हाथ पकड़कर खूबसूरत पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह दीवार के पास अपनी कलाई को नरमी से पकड़कर लाजवाब अंदाज में नजर आ रही हैं। बाकी तस्वीरों में भी वह तरह-तरह के पोज में अपनी खूबसूरती बिखेर रही हैं।

राशि की इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसक उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। सोशल मीडिया पर उनके इस पारंपरिक अवतार को खूब पसंद किया जा रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो राशि के कई प्रोजेक्ट रिलीज होने जा रहे हैं। अभिनेत्री जल्द ही पवन कल्याण के साथ फिल्म उस्ताद भगत सिंह में दिखाई देगी। इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है। इसके अलावा राशि को फरहान अख्तर के साथ 120 बहादुर में भी लीड रोल प्ले करते हुए देखा जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक पेशेवर कर्मयोगी

हरदीप एस पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई उपस्थिति और संगठनात्मक नेतृत्व की भरपूर प्रशंसा की गई है। उनके काम की विशेषता उनकी कठोर व्यावसायिकता है, जिसे कम ही लोग जानते और समझते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले ढाई दशकों में उनकी एक अथक पेशेवर कार्यशैली विकसित हुई है।

जो चीज़ उन्हें अलग बनाती है, वह है दिखावे की प्रतिभा नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुशासन जो दृष्टि को टिकाऊ व्यवस्थाओं में बदल देता है। भारतीय मुहावरे में, वे एक कर्मयोगी हैं- कर्तव्य पर आधारित कर्म, जो ज़मीनी स्तर पर बदलाव से मापा जाता है।

इस साल लाल किले से उनके स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में यही नीति थी। इस भाषण में उपलब्धियों का लेखा-जोखा कम और साझा कार्य का एक चार्टर ज़्यादा पेश किया गया- नागरिकों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स और राज्यों को विकसित भारत के सह-लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया। गहन तकनीक, स्वच्छ विकास और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं की महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्यक्रमों के रूप में प्रस्तुत किया गया, न कि केवल दिखावटीपन के रूप में, और जनभागीदारी, एक मंच निर्माण करने वाले राज्य और उद्यमी लोगों के बीच साझेदारी, को एक पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

जीएसटी ढांचे का हालिया सरलीकरण इसी पद्धति को दर्शाता है। स्लैब को कम करके और टकराव के बिंदुओं को दूर करके, परिषद ने छोटी फर्मों के लिए अनुपालन लागत कम की है और परिवारों तक लाभ पहुँचाने में तेज़ी लाई है। प्रधानमंत्री का ध्यान अमूर्त राजस्व वक्रों पर नहीं, बल्कि इस बात पर था कि क्या आम नागरिक या छोटा व्यापारी इस बदलाव को जल्दी महसूस कर पाएगा। यह प्रवृत्ति उस सहकारी संघवाद की प्रतिध्वनि है जिसने जीएसटी परिषद का मार्गदर्शन किया है- राज्य और केंद्र गहन विचार-विमर्श करते हैं, लेकिन सभी एक ऐसी प्रणाली के भीतर काम करते हैं जो स्थिर रहने के बजाय परिस्थितियों के अनुकूल हो जाती है। नीति को एक जीवंत साधन के रूप में माना जाता है, जो अर्थव्यवस्था की लय के अनुरूप है, न कि कागज़ पर समरूपता के लिए संरक्षित एक स्मारक के रूप में। यह वह व्यावसायिकता ही है जिसके कारण वह अमेरिका से देर रात 15 घंटे की विदेश यात्रा के बाद निर्माणाधीन नई संसद भवन के गेट पर बिना किसी सूचना के पहुंचे।

मैंने हाल ही में प्रधानमंत्री से पंद्रह मिनट का समय माँगा था और मैं उनकी चर्चा में आई व्यापक गहराई और बहुआयामी दायरे से प्रभावित हुआ-सूक्ष्म विवरण और व्यापक संबंध एक ही फ्रेम में समाहित। यह बैठक पैंतालीस मिनट की हो गई। बाद में सहकर्मियों ने मुझे बताया कि उन्होंने तैयारी में दो घंटे से ज़्यादा समय बिताया, नोट्स, आँकड़े और प्रतिवाद पढ़े। होमवर्क का यह स्तर कोई अपवाद नहीं है; यह वह कार्य-मानदंड है जो उन्होंने अपने लिए निर्धारित किया है और व्यवस्था से अपेक्षाएँ रखते हैं। निरंतर तैयारी की यही आदत सुनिश्चित करती है कि निर्णय ठोस और भविष्य के लिए उपयुक्त हों।

भारत की हालिया प्रगति का अधिकांश हिस्सा उन पाइपलाइनों और प्रणालियों पर आधारित है जिन्हें हमारे नागरिकों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डिजिटल पहचान, सार्वभौमिक बैंक खाते और रीयल-टाइम भुगतान की तिकड़ी ने समावेशन को बुनियादी ढाँचे में बदल दिया है। लाभ सीधे सत्यापित नागरिकों तक पहुँचते हैं; लीकेज डिज़ाइन के अनुसार कम हो जाते हैं; छोटे व्यवसायों को अनुमानित नकदी प्रवाह मिलता है; और नीतियाँ किस्से-कहानियों के बजाय आँकड़ों पर आधारित होती हैं। अंत्योदय - अंतिम नागरिक का उत्थान - इस प्रकार एक नारा नहीं, बल्कि एक मानक बन जाता है - और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुँचने वाली प्रत्येक योजना, कार्यक्रम और फ़ाइल का असली लिटमस टेस्ट बना रहता है।

मुझे असम के नुमालीगढ़ में भारत के पहले बांस आधारित 2जी इथेनॉल संयंत्र के शुभारंभ के दौरान एक बार फिर इसका गवाह बनने का सौभाग्य मिला। इंजीनियरों, किसानों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ खड़े होकर, प्रधानमंत्री के प्रश्न सीधे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गए- किसानों को भुगतान उसी दिन कैसे प्राप्त होगा; क्या आनुवंशिक इंजीनियरिंग से ऐसा बांस तैयार किया जा सकता है जो तेज़ी से बढ़ता है और गांठों के बीच बांस के तने की लंबाई बढ़ाता है; क्या महत्वपूर्ण एंजाइमों का स्वदेशीकरण किया जा सकता है; क्या बांस के हर घटक-तना, पत्ती, अवशेष-का इथेनॉल से लेकर फुरफुरल और ग्रीन एसिटिक एसिड तक, आर्थिक उपयोग किया जा रहा है? चर्चा केवल तकनीक तक ही सीमित नहीं थी। यह रसद, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट तक विस्तृत हुई। अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में भाग लेने वाले व्यक्ति के रूप में, मैंने तुरंत इस पद्धति को पहचान लिया- संक्षिप्त विवरण की स्पष्टता, विवरण में सटीकता और इस बात पर ज़ोर कि श्रृंखला में अंतिम व्यक्ति को पहला लाभार्थी होना चाहिए।

यही स्पष्टता भारत की आर्थिक नीति को भी जीवंत करती है। ऊर्जा के क्षेत्र में, विविध आपूर्तिकर्ता समूह और शांत, दृढ़ खरीदारी ने उतार-चढ़ाव भरे समय में हमारे हितों को सुरक्षित रखा है। विदेश में एक से ज़्यादा मौकों पर, मैंने एक बेहद सरल निर्देश दिया था- आपूर्ति सुनिश्चित करना, सामर्थ्य बनाए रखना और भारतीय उपभोक्ताओं को केंद्र में रखना। उस स्पष्टता का सम्मान किया गया और परिणामस्वरूप बातचीत और भी सुचारू रूप से आगे बढ़ी।

राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बिना किसी नाटक के आगे बढ़ाया गया है। दृढ़ संकल्प और संयम के साथ किए गए अभियानों- लक्ष्य स्पष्ट, सैन्य बलों को संचालन की स्वतंत्रता, निर्दोषों की सुरक्षा-में शोरगुल के बजाय आश्वासन पर ज़ोर दिया गया है। नीति एक ही है- कड़ी मेहनत करो, नतीजों को बोलने दो।

इन विकल्पों के पीछे एक विशिष्ट कार्यशैली छिपी है। चर्चाएँ सभ्य लेकिन निर्भीक होती हैं; परस्पर विरोधी विचारों का स्वागत है, लेकिन भटकाव का नहीं। सभी की बात सुनने के बाद, वह एक मोटे दस्तावेज़ को ज़रूरी विकल्पों तक सीमित कर देते हैं, ज़िम्मेदारी सौंपते हैं और सफलता तय करने वाले पैमाने बताते हैं। सबसे ज़ोरदार तर्क नहीं, बल्कि सबसे अच्छा तर्क ही जीतता है; तैयारी को पुरस्कृत किया जाता है; और अनुवर्ती कार्रवाई निरंतर जारी रहती है। सहकर्मियों के लिए, यह तैयारी की शिक्षा है; व्यवस्था के लिए, यह एक ऐसी संस्कृति है जहाँ परिणाम को मापा जाता है, न कि अनुमान लगाया जाता है।

यह कोई संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन विश्वकर्मा जयंती पर पड़ता है, जो दिव्य शिल्पी का दिन है। यह समानता शाब्दिक नहीं, बल्कि शिक्षाप्रद है- सार्वजनिक जीवन में, सबसे स्थायी स्मारक संस्थाएँ, मंच और मानक होते हैं। नागरिक के लिए, कार्य-निष्पादन एक ऐसा लाभ है जो समय पर मिलता है और एक ऐसी कीमत जो उचित रहती है; उद्यम के लिए, यह नीतिगत स्पष्टता और विस्तार का एक विश्वसनीय मार्ग है; राज्य के लिए, यह ऐसी व्यवस्थाएँ हैं जो दबाव में भी टिकी रहती हैं और उपयोग के साथ बेहतर होती जाती हैं। यही वह पैमाना है जिससे नरेंद्र मोदी को देखा जाना चाहिए; एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में जिनका कार्य-निष्पादन तमाशा नहीं, बल्कि सेवा है, जो भारतीय इतिहास के अगले अध्याय को आकार दे रहा है।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

सू- दोकू क्र

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर हमला

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोजाना कुछ न कुछ ऐसा कर रहे हैं, जिससे भारत सरकार और भारतीय निशाने पर आ जाते हैं।

ट्रंप आड़ तो अपने देश के युवाओं के रोजगार बढ़ाने की ले रहे हैं, लेकिन हमला भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर कर रहे हैं। अभी अमेरिका से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क का मामला सुलझा भी नहीं है कि ट्रंप ने एच1बी वीजा का बम गिरा दिया है। एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया है।

इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों, जिनमें बड़ी संख्या में आईटी से जुड़े हैं, पर गंभीर असर पड़ेगा। भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट ने असर की झांकी दिखा दी है। अमेरिका का दावा है कि एच1बी वीजा का बहुत दुरुपयोग होता है।

इसकी शुरुआत उन उच्च कुशल कामगारों को अमेरिका में आने की अनुमति देने के लिए की गई थी, जो उन क्षेत्रों में काम करते हैं, जहां अमेरिकी काम नहीं करते। 100,000 डॉलर के शुल्क के बाद सुनिश्चित होगा कि वास्तव में कुशल लोग ही अमेरिका आएं और अमेरिकी कामगारों का स्थान नहीं लें।

ट्रंप का तर्क है कि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड कार्यक्रम के तहत प्रति वर्ष 281,000 लोगों को अमेरिका में प्रवेश मिलता है, तथा ये लोग औसतन प्रति वर्ष 66,000 अमेरिकी डॉलर कमाते हैं तथा सरकारी सहायता कार्यक्रमों का भारी लाभ उठाते हैं।

हम इसे बंद करने जा रहे हैं। इस कदम का उन भारतीय कर्मचारियों पर गहरा असर पड़ेगा जिन्हें प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां और अन्य कंपनियां एच1बी वीजा पर नियुक्त करती हैं। ये वीजा तीन साल के लिए वैध होते हैं, जिन्हें तीन साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है। आदेश के कुछ घंटों बाद शनिवार को अमेरिका में एच1बी वीजा पर रह रहे भारतीयों में भ्रम व चिंता व्याप गई।

कई भारतीयों ने भारत यात्रा की अपनी योजना रद्द कर दी। जो भारत आए हुए थे उनमें जल्द से जल्द लौटने की मारामारी मच गई। हालांकि बाद में कहा गया कि यह शुल्क नये आवेदकों पर ही लागू होगा। पुराने वीजा धारक प्रभावित नहीं होंगे। कांग्रेस पार्टी अमेरिका के फैसले के बाद प्रधानमंत्री मोदी पर हमलावर हो गई।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने तल्ख टिप्पणी की कि आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है, उससे भारतीय नागरिकों को दुख हुआ है। गले मिलना, खोखले नारे लगवाना और संगीत कार्यक्रम करवाना कोई विदेश नीति नहीं है। हमें अपने हितों के लिए गंभीर होना होगा।(आरएनएस)

थामा का गाना तुम मेरे ना हुए जारी

अभिनेता आयुष्मान खुराना पिछले काफी समय से फिल्म थामा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी इस रोमांटिक कामेडी हारर फिल्म के निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदार को सौंपी गई है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें पहली बार आयुष्मान की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। बीते दिनों थामा का ट्रेलर रिलीज हुआ था, वहीं अब निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना तुम मेरे ना हुए जारी कर दिया है।

तुम मेरे ना हुए गाने को मधुबंती बागची और सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है, वहीं इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। इस गाने में रश्मिका और आयुष्मान एक साथ जबरदस्त डांस करते दिख रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। थामा में परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म इसी साल दिवाली के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

थामा में आयुष्मान और रश्मिका के अलावा परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी, हारर और कामेडी का बेहतरीन मिश्रण पेश करती है और दर्शकों को एक अलग ही अनुभव देने का वादा करती है।

बदरी-केदार दर्शन के लिए पहुंचे मुकेश अंबानी, लिया पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद।

नशा तस्करी में फरार चल रहा 5 हजार का ईनामी दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी मामले में फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार नशा तस्करी मामले में पिछले लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी सलमान पुत्र जवाद अली निवासी-ग्राम पाडली गुर्जर रूडकी कोतवाली गंगनहर जिला हरिद्वार में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी लेकिन वहे गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे थे। एसएसपी हरिद्वार द्वारा आरोपी सलमान की गिरफ्तारी पर 5000 रूपये का इनाम घोषित किया गया था। ईनामी आरोपी सलमान की गिरफ्तारी हेतु किए जा रहे प्रयासों के परिणाम स्वरूप थाना बहादराबाद पुलिस व सीआईयू रुड़की की संयुक्त टीम ने फरार आरोपी को रुड़की से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से की गई पूछताछ व मोबाइल फोन के अवलोकन से कुछ ड्रग पेडलरो के नाम प्रकाश में आये है। जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी है।

एटीएम में डुप्लीकेट कैश ट्रे लगाकर किये रूपये चोरी

संवाददाता

देहरादून। एटीएम से डुप्लीकेट कैश ट्रे लगाकर 13 हजार रूपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक्सिस बैंक के डोईवाला शाखा के मैनेजर दिनेश कुनियाल ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात लोगों ने एक्सिस बैंक के एटीएम से एग्जीट कैश ट्रे दरवाजे के ऊपर डुप्लीकेट कैश ट्रे लगाकर ग्राहकों की 9 व 4 हजार रूपये की धनराशि निकासी रोककर ग्राहकों की धनराशि चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पैसे कमाने का लालच देकर ठगे एक लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। पैसा कमाने का लालच देकर एक लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर कंडोली निवासी प्रथमेश घनश्याम देशमुख ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी और टेलीफोन करने वाले ने उसको टेलीग्राम ग्रुप में जोडकर टॉस्क पूरा करने व पैसे कमाने का लालच देकर उससे एक लाख 19 हजार रूपये ठग लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वर्कशॉप से नगदी व टेबलेट चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने वर्कशॉप से नगदी व टेबलेट चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनपुर निवासी संयम गोयल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी कैनाल रोड में वर्कशॉप है। आज किसी ने उसकी वर्कशॉप के गैराज में घुसकर वहां से नगदी व उसके सेमसंग का टेबलेट चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

थार जीप चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने कोतवाली के पीछे से थार जीप चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हनुमान धाम रोड निवासी अनिल ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी थार कोतवाली के पीछे खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसका वाहन अपने स्थान से गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अगले वित्त वर्ष के बजट के लिए बोर्ड की संस्तुति अनिवार्यः बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने निर्देश दिए कि अगले वित्त वर्ष के बजट के लिए फरवरी-मार्च तक बोर्ड से संस्तुति अनिवार्य रूप से ले ली जाए।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन लिमिटेड की 125वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने बोर्ड में सचिव वित्त को भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने टेक्निकल पृष्ठभूमि के व्यक्ति को भी बोर्ड में शामिल किए जाने की बात कही। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रोजेक्ट्स की लागत को कम किए जाने के लगातार प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट्स के लिए लिया जाना वाला ऋण जितना सस्ता हो, उतना अच्छा। इसके लिए वित्त उपलब्ध कराने वाली एजेन्सियों से लगातार सम्पर्क किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अगले वित्त वर्ष के बजट के लिए फरवरी-मार्च तक बोर्ड से संस्तुति अनिवार्य रूप से ले ली जाए। मुख्य सचिव ने तीनों कार्पोरेशन में विजिलेंस मैकेनिज्म तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सचिव विजिलेंस के साथ बैठक कर

तीनों कार्पोरेशन्स में शीघ्र ही विजिलेंस मैकेनिज्म तैयार किया जाए। मुख्य सचिव ने यूपीसीएल को एक जनवरी, 2026 से ईआरपी लागू किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि तीनों कार्पोरेशन में त्रैमासिक प्रदर्शन की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि इससे अल्पकालिक लक्ष्यों पर कार्पोरेशन की प्रगति का आंकलन एवं सुधार के क्षेत्रों को चिन्हित कर अगली तिमाही के लिए नए उद्देश्य निर्धारित किए जा सकेंगे। मुख्य सचिव ने नई तकनीकों के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई तकनीक का उपयोग करने से पहले एक दो स्थानों पर अनिवार्य रूप से प्रयोग कर लिया जाए, ताकि तकनीक के कम सफल होने या असफल होने पर उपयोग से हटाए जाने में अधिक नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि सभी कार्पोरेशन को पेशेवर दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने प्रोजेक्ट्स को शुरू करने से पहले उसका तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता (टेक्नो इकोनॉमिक फीजीबिलिटी) परीक्षण कराए जाने की बात भी कही। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, स्वतंत्र निदेशक (बोर्ड) पराग गुप्ता, बी.पी. पाण्डेय, अपर सचिव डॉ. अहमद इकबाल, एमडी यूपीसीएल अनिल यादव, एमडी यूजेवीएनएल संदीप सिंघल एवं एमडी पिटकुल पी.सी. ध्यानी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिक से दुष्कर्म का 5 हजार का इनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग से दुष्कर्म मामले मे पांच हजार के ईनामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नाबालिक का अश्लील वीडियो बनाकर पिछले 1 वर्ष से ब्लेकमेल कर रहा था।

जानकारी के अनुसार सिडकुल निवासी एक व्यक्ति द्वारा उसके नाबालिक पुत्र उम्र-16 वर्ष को आरोपी विशाल पुत्र सुरेश निवासी श्यामीवाला मंडावली बिजनौर हाल सिडकुल हरिद्वार द्वारा करीब 1 वर्ष पूर्व नाबालिक पुत्र के साथ दुष्कर्म कर उसकी अश्लील वीडियो बना कर

पिछले 1 वर्ष से अश्लील वीडियो वायरल करने का डर दिखाकर ब्लेकमेल व परेशान करने के संबंध में थाना बहादराबाद पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार द्वारा तत्काल आरोपी विशाल की गिरफ्तारी किये जाने के आदेश निर्गत किये गये थे व आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 5000 रूपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी विशाल उर्फ फुकरे की गिरफ्तारी हेतु गठित की गयी पुलिस टीम द्वारा कुशल सुरागरसी पतारसी जारी रखते हुए आरोपी विशाल उर्फ फुकरा पुत्र सुरेश निवासी श्यामीवाला मंडावली बिजनौर हाल सिडकुल हरिद्वार को आज सलेमपुर रोड सिडकुल से गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने पीठ बाजार ग्राउण्ड के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 8.30 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम फुरकान पुत्र इमरान निवासी विशाल कालोनी डाकपत्थर बताया। वहीं विकासनगर कोतवाली पुलिस ने चाय बागान रोड से एक व्यक्ति को 9.18 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम शक्ति सिंह पुत्र सुरेश पुण्डीर निवासी भोजावाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पुलिस ने मुनि की रेती चौकी कैलाश गेट क्षेत्र में चलाया सघन चेकिंग अभियान

संवाददाता

टिहरी। आगामी त्यौहारी सीजन के दृष्टिगत मुनि की रेती चौकी पुलिस द्वारा कैलाश गेट क्षेत्र में सघन चैकिंग अभियान चलाया।

आज यहां आगामी त्योहारी सीजन के दृष्टिगत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मुनि की रेती चौकी कैलाश गेट क्षेत्र में पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चौकी प्रभारी राजेंद्र रावत के नेतृत्व में यह अभियान होटलों, बैकों, मुख्य मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, पार्किंग क्षेत्रों, होटल, धर्मशालाओं एवं बस-टैक्सी स्टैंड आदि पर संचालित किया जा रहा है। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों, व्यक्तियों एवं संदिग्ध सामग्रियों की गहन जांच की जा रही है। इस दौरान वाहन चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण पत्र, बीमा आदि की जांच की जा रही है तथा नो-पार्किंग, ओवरलोडिंग, तेज गति व बिना हेलमेट/सीट बेल्ट चलने वाले चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे त्योहारी खरीदारी एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में सजग रहें, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को दें। स्थानीय व्यापारियों एवं होटल संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे कार्यशील स्थिति में रखने तथा किरायेदार/मेहमानों का सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं। चौकी प्रभारी ने बताया कि यह अभियान पूरे त्योहारी सीजन के दौरान निरंतर जारी रहेगा ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके और लोग सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में त्यौहार मना सकें।

त्यौहारी सीजन में यातायात संचालन को सुव्यवस्थित बनाएं: बगोली

संवाददाता

देहरादून। सचिव गृह शैलेश बगोली ने कहा कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारी स्वयं फील्ड पर रहकर स्थिति की निगरानी करें और यातायात संचालन को सुव्यवस्थित बनाएं।

आज यहां राज्य में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से सचिव, गृह शैलेश बगोली की अध्यक्षता में देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं यातायात निदेशालय के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सचिव बगोली ने निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए जाएँ। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारी स्वयं फील्ड पर रहकर स्थिति की निगरानी करें और यातायात संचालन को सुव्यवस्थित बनाएं।

बैठक में निर्णय लिया गया कि देहरादून में यातायात नियंत्रण हेतु एक कंपनी आईआरबी या पीएसी की तैनाती की जाएगी। यातायात व्यवस्था में सहयोग के लिए होमगार्ड एवं पीआरडी कर्मियों की सेवाएँ भी ली जाएँगी। शहर के भीड़भाड़ वाले चौराहों और प्रमुख स्थलों की पहचान कर वहाँ पर्याप्त संख्या में यातायात कर्मियों की तैनाती की जाएगी। सचिव ने निर्देश दिए कि सभी ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे पुलिस विभाग के नियंत्रण में लाए जाएँ, जिससे त्वरित निगरानी और कार्रवाई संभव हो सके। यातायात निदेशालय को निर्देशित किया गया कि विशेषज्ञों की सेवाएँ लेकर प्रभावी ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए और नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, स्मार्ट सिटी, परिवहन आदि विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि निदेशालय को मानव संसाधन, तकनीकी साधन और आधारभूत संरचना के दृष्टिकोण से सुदृढ़ किया जाए, ताकि दीर्घकालिक योजना और क्रियान्वयन प्रभावी रूप से किया जा सके। सचिव, गृह ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के मार्ग हर समय सुगम और अवरोध-मुक्त रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। बैठक में आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जनता की सुविधा, सुरक्षा और सुचारू यातायात प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया।

सीएस ने किया एनआईसी की त्रैमासिक न्यूजलेटर 'द डिजिटल थ्रेड' का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने एन.आई.सी. उत्तराखण्ड की प्रथम त्रैमासिक न्यूजलेटर 'द डिजिटल थ्रेड' का विमोचन किया।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने एन.आई.सी. उत्तराखण्ड की प्रथम त्रैमासिक न्यूजलेटर 'द डिजिटल थ्रेड' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने आशा व्यक्त की कि यह न्यूजलेटर राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों, सफल परियोजनाओं, डिजिटल पहलों एवं एन.आई.सी. उत्तराखण्ड की प्रमुख गतिविधियों को व्यापक रूप से आम जनमानस तक से पहुंचाने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि 'द डिजिटल थ्रेड', शासन, तकनीक और नागरिकों के बीच सेतु का कार्य करेगा।

राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (एन.आई.सी.) संजय गुप्ता ने कहा कि एन.आई.सी. उत्तराखण्ड राज्य में डिजिटल इंडिया मिशन को सशक्त बनाने हेतु प्रतिबद्ध है, एवं निरन्तर अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर ए.एस.आई.ओ. (जिला) राजीव जोशी, सयुंक्त निदेशक (आई.टी) श्रीमती चंचल गोयल, सयुंक्त निदेशक (आई.टी.) श्रीमती शिवानी गोठी, सयुंक्त निदेशक (आई.टी.) रोहित चंद्रा, उप निदेशक (आई.टी.) सुश्री प्रीति जोशी एवं उप निदेशक (आई.टी.) अनुज धनगर भी उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिहार चुनाव में बुर्के वाली महिलाओं की पहचान में मदद करेंगी!

कार्यालय संवाददाता

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मतदान केंद्रों पर बुर्का पहनकर या पर्दे में आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान 'गरिमापूर्ण' तरीके से सत्यापित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि 'पर्दा-नशीं' महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए महिला मतदान अधिकारियों या परिचारिकाओं की उपस्थिति में 'गरिमापूर्ण तरीके से उनकी पहचान' सत्यापित करने के उसके निर्देशों के अनुसार मतदान केंद्रों पर 'विशेष व्यवस्था' की जाएगी तथा उनकी गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा, बुर्काधारी महिलाओं की पहचान सत्यापित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर हमारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तैनात रहेंगी। बिहार में 243 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि बुर्का पहनकर आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने में मदद के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिहार के सभी मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगी।

इटली में बुर्का पहना तो लगेगा लाखों का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। इटली में जॉर्जिया मेलोनी सरकार ने एक विधेयक संसद में पेश किया है, जिस पर विवाद खड़ा हो गया है। यह विधेयक देशभर में सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का और निकाब जैसे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के प्रावधान से जुड़ा है। मेलोनी की दक्षिणपंथी पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' ने यह कदम इस्लामी अलगाववाद और सांस्कृतिक अलगाव को रोकने के उद्देश्य से उठाया है। विधेयक के तहत उल्लंघन करने वालों पर 300 से 3,000 यूरो (लगभग 26,000 से 2.6 लाख रुपये) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इस विधेयक को 8 अक्टूबर को संसद में पेश किया गया। विधेयक में स्कूल,

विश्वविद्यालय, दुकानें, कार्यकाल और अन्य सभी सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगाने का स्पष्ट उल्लेख है।

मेलोनी सरकार ने दावा किया है कि यह कदम इटली की सामाजिक एकजुटता को मजबूत करेगा और सांस्कृतिक अलगाववाद को जड़ से समाप्त करेगा। फ्रांस पहला यूरोपीय देश था जिसने 2011 में सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का पहनने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था। दुनिया में 20 से अधिक देशों ने सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का तथा अन्य पूर्ण-चेहरे को ढकने वाले वस्त्रों पर किसी न किसी रूप में प्रतिबंध लागू कर दिया है, जिनमें ऑस्ट्रिया, ट्यूनीशिया, तुर्की, श्रीलंका और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इस विधेयक में मस्जिदों की फंडिंग को भी नियंत्रित करने का प्रावधान भी है। ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी की इमिग्रेशन प्रमुख सारा केलानी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विधेयक के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा विधेयक है, जो मुख्य रूप से मस्जिदों की फंडिंग को विनियमित करने और पूरे चेहरे को ढकने वाले नकाब के उपयोग को रोकने और उस पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित होगा।

आईपीएस सुसाइड केस में डीजीपी समेत 14 अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे वाई पूरन के आत्महत्या मामले में हरियाणा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्रथामिकी भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और पूरन की पत्नी अमनीत की शिकायत पर दर्ज की गई है। हरियाणा पुलिस के डीजीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद माना जा रहा है कि वह छुट्टी पर भेजे जा सकते हैं। साथ ही रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को भी हटाया जा सकता है।

प्रथामिकी में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर के अलावा रोहजत के

पुलिस अधीक्षक आईपीएस नरेंद्र बिजारणिया , हरियाणा के पूर्व डीजीपी मनोज यादव ,पूर्व आईएएस राजीव अरोड़ा (पूर्व एसीएस गृह) ,पूर्व चीफ सेक्रेटरी टीवीएसएन प्रसाद ,पूर्व डीजीपी पीके अग्रवाल ,आईएएस अधिकारी डॉ। एम रवि किरण ,आईएएस अधिकारी आईजी पंकज नैन, एडीजीपी अमिताभ ढिल्लों , एडीजीपी संजय कुमार ,आईएएस कला रामचंद्रन, आईपीएससंदीप खिरवार और आईपीएस सिबाश कविराज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले की प्राथमिकी में अभियुक्तों में श्सुसाइड नोट के मुताबिकश शब्द लिखे गए। एफआईआर के मजमून में सभी आईएएस और आईपीएस अफसरों के नामों का जिक्र है। इन सभी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा है। दिवंगत पूरन की पत्नी अमनीत के आरोप हैं कि डीजीपी शत्रुजीत कपूर, एसपी बिजारणिया ने आत्महत्या के लिए मजबूर किया। अधिकारियों ने पति को सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित और अपमानित किया रिश्वत के झूठे केस में फंसाने की साजिश डीजीपी के निर्देश पर रची गई थी। उनकी मांग है कि डीजीपी और एसपी की गिरफ्तार हों, नहीं तो सबूत मिटा दिए जाएंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।